लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 25 February 2023

JAGRAN CITY PAGE III

‘काम दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं विश्वविद्यालय’

जासं, लखनऊ : समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा है कि भारत में बड़ी संख्या में नौजवान हैं। उन्हें काम में नहीं लगाया जाएगा तो उन पर भार बढ़ेगा। ऐसे में उनको प्रशिक्षित और शिक्षित कर नवाचार के लिए प्रेरित करके काम में लगाने की जरूरत है। इसमें विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वह शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की ओर से राधा कमल मुखर्जी सभागार में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: विद्यालय संकुल और प्रशिक्षित व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता की भूमिका विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि असीम अरुण ने बताया कि विधायक निधि से उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में 19 विद्यालयों 15-15 लाख रुपये दिए हैं। अगले साल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को निधि देंगे। उन्होंने कहा कि समाज के गरीब तबकों के लिए सरकार धन की व्यवस्था तो कर सकती है, लेकिन इस धन के सही इस्तेमाल, जरूरतमंदों को मदद मिल रही है या नहीं, इसके आकलन के लिए विश्वविद्यालय के सहयोग की जरूरत होगी।

विभाग के हेड प्रो. एके भारतीय ने प्रदेश में राज्य स्तर पर समाज कार्य परिषद बनाने का अनुरोध किया, जिस पर मंत्री असीम अरुण ने विधानसभा सत्र के बाद बैठक करके विस्तृत चर्चा करने की बात कही।

तीन लाख नौकरियों का सृजन : दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संजय भट्ट ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार प्रशिक्षित समाज कार्यकर्ताओं के लिए समाज कार्य विभागों को स्नातक, परास्नातक स्तर के कोर्स में बदलाव करना होगा। यदि यह प्रविधान लागू होता है तो प्रशिक्षित व्यावसायिक समाज कार्यकर्ताओं के लिए लगभग तीन लाख नौकरियों का सृजन होगा। नेशनल एसोसिएशन आफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रोफेसर आरपी द्विवेदी ने कहा कि 28 साल बाद बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक 100 फीसद इनरोलमेंट की बात की गई है। लवि के डीन कला संकाय के प्रो. अरविंद अवस्थी ने भी विचार रखे।

लवि कराएगा तीन गांवों का आधारभूत सर्वेक्षण

लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के समाज कार्य विभाग ने माल ब्लाक के तीन गांव को नए कार्य क्षेत्र के लिए चुना है। इनमें देवरी गजा, मवई खुर्द और अंबेडकरपुर गांव शामिल है। विभाग मार्च में इन गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए आधारभूत सर्वेक्षण करके सामाजिक, आर्थिक एवं जनांकिकीय पृष्ठभूमि तैयार करेगा। विभाग के हेड प्रोफेसर एके भारतीय ने बताया कि सर्वेक्षण कराने के बाद गांव के लोगों की आवश्यकता का आकलन करेंगे। सर्वेक्षण से पता चलेगा कि उनकी रोजगार सहित कौन-कौन सी जरूरतें हैं और इसे सरकार के माध्यम से कैसे पूरा कराया जाए? गांव में लीगल एड, 2025 तक टीबी मुक्त भारत का अभियान, फाइलेरिया उन्मूलन, सशक्तीकरण सहित विभिन्न जन जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। विभाग के विद्यार्थी वहां की वास्तविक स्थिति समझेंगे। गांव की रिपोर्ट डीएम, बीडीओ सहित सरकार को भेजी जाएगी, ताकि आदर्श गांव के रूप में इसे विकसित किया जा सके।

छात्र-छात्राओं को सिखाए योग के आसन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के सेमिनार हाल में शुक्रवार को हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी एवं भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में योग व मानसिक स्वास्थ्य पर योग अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हैप्पी थिंकिंग लैब की निदेशक प्रो. मधुरिमा प्रधान, भूगोल विभाग की समन्वयक प्रो. रोली मिश्रा, काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल की डिप्टी निदेशक डा. वैशाली, डा. अरुण द्विवेदी भी उपस्थित रहे। (जासं)

लवि में कार्यशाला शुरू

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग ने सेंटर आफ एक्सीलेंस के अंतर्गत शुक्रवार को डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस पर दो दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में प्रधान अन्वेषक प्रो. अनूप कुमार सिंह ने आंकड़ों के परिचय एवं डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस पर जानकारी दी। मुख्य अतिथि व्यावहारिक अर्थशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर प्रो. बीके निगम ने अतीत और वर्तमान समय की शोध व्यवस्थाओं एवं तकनीकों के मध्य अंतर बताया। (जासं)

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

इंडस्ट्री के हिसाब से पाठ्यक्रम बदलेगा लविवि

माई सिटी रिपोर्टर

उद्योगों के प्रतिनिधियों ने लविवि पदाधिकारियों के साथ हुई वार्ता में दिया सुझाव

लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय के इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस और एमबीए पाठ्यक्रम के सिलेबस इंडस्ट्री की जरूरतों के हिसाब से बदले जाएंगे। विश्वविद्यालय में शुक्रवार को इंडस्ट्री के सदस्यों के साथ हुई बैठक के बाद इस पर सैद्धांतिक सहमति बनी। इस बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को डिग्री के साथ ही रोजगार उपलब्ध कराना है।

विश्ववद्यालय की अधिष्ठाता छात्र कल्याण और डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि विद्यार्थियों को रोजगार के मौके देने के लिए हम हम इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के साथ बराबर संपर्क में है। इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के बताया कि उनको उनकी फील्ड के हिसाब से कर्मचारी चाहिए होते हैं। ज्यादातर समय ऐसा ही होता है कि नौकरी ज्वाइन करने के बाद कर्मचारियों को इंडस्ट्री के काम काज के बारे में बताया जाता है। ऐसे में उनको कुछ महीने की ट्रेनिंग देनी पड़ती है। वहीं विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम इस पर केंद्रित नहीं होते हैं। यह काम इंडस्ट्री के सुझाव के आधार पर सिलेबस तैयार करके किया जा सकता है। इसको लेकर बैठक की गई बैठक में उन्होंने सुझाव दिए की पाठ्यक्रम में इंडस्ट्री की जरूरत के हिसाब से कंटेंट शामिल हो। इसलिए सिलेबस बदलाव पर विचार किया जाएगा। सबसे पहले कम्प्यूटर साइंस, एमबीए और इंजीनियरिंग को शामिल किया जाएगा। न्यू एजुकेशन कल पॉलिसी में इंटर्नशिप की व्यवस्था इसी उद्देश्य के तहत सिलेबस में शामिल की गई है। पूरा प्रयास यही है कि विद्यार्थियों को थ्योरिटकल ज्ञान और डिग्री के साथ भी अच्छी नौकरी भी मिले।

एनईपी लागू करने में अहम है समाज कार्यकर्ता की भूमिका

लखनऊ। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. संजय भट्ट के अनुसार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सिद्धांतों का मूल मंत्र सभी तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है। नई शिक्षा नीति विद्यालय संकुलों की बात करती है, जिसमें चार पांच विद्यालयों के बीच एक साझा स्थान बनाकर शिक्षकों और बच्चों से जुड़ी सुविधाएं व संसाधन उपलब्ध कराने हैं। इन संकुलों को चलाने में प्रशिक्षित व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रो. भट्ट शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : विद्यालय संकुल और प्रशिक्षित व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता की भूमिका'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन बोल रहे थे।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री असीम अरुण ने कहा कि समाज के गरीब तबकों के लिए सरकार धन की व्यवस्था तो कर सकती है, लेकिन इस धन का सही इस्तेमाल हो रहा है कि नहीं यह तय करने में एकेडमियों और विश्वविद्यालय से मदद मिलना बहुत जरूरी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

एमसीक्यू परीक्षा में भी देख सकेंगे उत्तर पुस्तिका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपनी परीक्षा प्रणाली को और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। इसके तहत अब विश्वविद्यालय बहुविकल्पीय सवाल आधारित परीक्षा प्रणाली (एमसीक्यू) की उत्तर पुस्तिकाएं भी दिखाएगा। अभी तक विश्वविद्यालय में यह व्यवस्था लागू नहीं थी। इसको लेकर काफी समय से मांग चल रही थी। विवि ने परीक्षा समिति से यह आदेश पास कराकर लागू कर दिया है। लविवि में परीक्षा के बाद कई बार खराब मूल्यांकन का आरोप लगाते हुए धरना-प्रदर्शन की नौबत आती थी। इसको देखते हुए लविवि ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत छात्रों को उनकी उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने का फैसला किया था। (माई सिटी रिपोर्टर)

परीक्षाएं समाप्त, रंग खेलकर मनाया जश्न

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग की परीक्षाएं समाप्त होने का जश्न रंग खेलकर मनाया गया। इस मौके पर कैंपस के साथ ही लावण्या छात्रावास में छात्राओं ने जमकर होली। छात्रावास में हुई होली में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, संकायाध्यक्ष अभियांत्रिकी प्रो. एके सिंह, प्रोवोस्ट डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव के साथ शिक्षक भी शामिल हुए। दूसरी ओर आईएमएस कैंपस के बाहर खेली गई होली के दौरान छात्रों के बीच विवाद हो गया। हालांकि, मौके पर पहुंची प्रॉक्टोरियल टीम ने मामला संभालते हुए दोनों पक्षों को परिसर से बाहर कर दिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

रिसर्च का अच्छे जर्नल में प्रकाशित होना भी जरूरी

कार्यशाला

लखनऊ, संवाददाता। एलयू के व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रोजेक्ट के तहत शुक्रवार को दो दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला की शुरूआत हुई। ओएनजीसी सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज में आयोजित किए गए कार्यक्रम का उद्घाटन व्यावहारिक अर्थशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर प्रो. बीके निगम ने किया। उन्होंने एसपीएसएस का परिचय और डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस पर बताया कि अतीत और वर्तमान समय में हो रहे शोध व्यवस्थाओं एवं तकनीकों में बहुत अंतर है।

प्रो. बीके निगम ने कहा कि छात्रों को न केवल शोध बल्कि उनके जीवन में भी विकास के लिए गांधीवादी विचारों को अपनाना चाहिए। जिससे वह अर्थव्यवस्था को और अधिक उन्नत बनाने में सहयोगी होंगे। शिक्षा एवं शोध में मूल्यों व सिद्धांतो पर जोर दिया।

छात्र अब देख सकेंगे ओएमआर शीट

लखनऊ। एलयू में स्नातक विषम सेमेस्टर 2022 के अंतर्गत बीए, बीकॉम (ऑनर्स), बीबीए, बीकॉम पांचवे सेमेस्टर और बीबीए की परीक्षाएं जारी हैं। ओएमआर शीट के जरिए परीक्षा दे रहे विद्यार्थी अब नंबर कम होने या फेल होने की शिकायत पर ओएमआर शीट देख सकेंगे। अभी तक यह प्रावधान सिर्फ उत्तर पुस्तिकाओं के लिए था। हालांकि अब इसे परीक्षा समिति से पास कर दिया गया है।

i-NEXT PAGE 3

मारपीट के आरोप में छात्र हुआ निलंबित

LUCKNOW : एलयू प्रशासन ने मारपीट की घटना के साढ़े तीन महीने बाद बीए प्रथम वर्ष के छात्र शेखर कौशल को निलंबित कर दिया और कैंपस व छात्रावास में प्रवेश पर रोक लगा दी है. चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने बताया कि बीए के शेखर कौशल ने 20 अन्य बाहरी साथियों के साथ नौ नवंबर 2022 को दोपहर एक बजे कैंपस में राज किशोर की कैंटीन के पास बीएससी के शुभम कुमार सोनी पर शीशे की बोतल व राड से हमला कर लहुलुहान कर दिया था.

एलयू कराएगा तीन गांवों का सर्वेक्षण

LUCKNOW : एलयू के समाज कार्य विभाग ने माल ब्लाक के तीन गांव को नए कार्य क्षेत्र के लिए चुना है. इनमें देवरी गजा, मवई खुर्द और अंबेडकरपुर गांव शामिल है. विभाग मार्च में इन गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए आधारभूत सर्वेक्षण करके सामाजिक, आर्थिक एवं जनांकिकीय पृष्ठभूमि तैयार करेगा. विभाग के हेड प्रोफेसर एके भारतीय ने बताया कि सर्वेक्षण कराने के बाद गांव के लोगों की आवश्यकता का आकलन करेंगे.

VoL PAGE 6

लोगों ने सीखे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े योगासन

लखनऊ। लविवि के भूगोल विभाग के सेमिनार हॉल में शुक्रवार को हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी और भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में योग और मानसिक स्वास्थ्य पर एक योग अभ्यास सत्र का आयोजन हुआ। जिसमें बंगलुरु की शशिप्रभा द्विवेदी जो अष्टांग योग एवं बार्सिलोना से ट्रापेजी योग में पारंगत हैं, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए योग आसान का अभ्यास करके दिखाया। जिसमें प्रमुख आसन थे, सर्वांगासन, शीर्षासन, चक्रासन, इत्यादि का अभ्यास भी कराया और इनके विषय में जानकारी भी दी। शशि प्रभा ने अपनी योग यात्रा के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों को योग की भूमिका मानसिक स्वास्थ्य के लिए कितनी महत्वपूर्ण है, इस पर प्रकाश डाला। सत्र में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, हैप्पी थिंकिंग लैब की निदेशक प्रो. मधुरिमा प्रधान, भूगोल विभाग की समन्वयक प्रो. रोली मिश्रा, काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल की डिप्टी निदेशक डॉ वैशाली, भूगोल विभाग से डॉ अरुण द्विवेदी, डॉ अनूप सिंह, डॉ रितिका प्रसाद, मयंक भारद्वाज ने अपनी भागीदारी दी।

PIONEER PAGE 4

छात्रों को नवाचार के प्रति प्रेरित करें विश्वविद्यालय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखनऊ विश्वविद्यालय का एक गौरवशाली इतिहास और परंपरा रही है। भारत के पास नौजवानों की एक बड़ी संख्या है लेकिन अगर उन्हें काम में नहीं लगाया जाएगा तो उन पर भार होंगे। उनको प्रशिक्षित करके शिक्षा प्रदान कर नवाचार के लिए प्रेरित कर के काम में लगाने की जरूरत है। इस कार्य मे विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020- विद्यालय संकुल और प्रशिक्षित व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता की भूमिका विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को असीम अरूण ने संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा की समाज कल्याण मंत्रालय रामा समाज कार्य विभाग एक ट्रेन के गार्ड की तरह है जो ये सुनिश्चित करते हैं कि कोई पीछे ना छो? जाएं और अगर पीछे छूट गया है तो कैसे वो यात्रा पूरी करें इसका प्रबंध करते हैं। उन्होंने बताया की अपनी विधायक निधि से उन्होंने अपनी विधानसभा में 19 विद्यालयों 15-15 लाख दिए हैं। जिससे वो आधारभूत ढांचे में सुधार करने के साथ शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर कर सकें। उन्होंने कहा कि इसी तरह वो अगले साल स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को अनुदान देने की इच्छा रखते हैं। उन्होंने अपने अनुभव से बताया की विकसित देशों में विश्वविद्यालय सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर काम करते हैं जिससे शिक्षा की व्यवस्था में बेहतरी आती है। उन्होंने कहा की समाज कल्याण के क्षेत्र में या तो मानक नहीं है या बहुत ही खराब मानक है। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण मंत्रालय में वे देखेंगे कि कहाँ कहाँ अनिवार्य रूप से प्रशिक्षित व्यावसायिक समाज कार्यकर्ताओं की जरूरत है और उसे अनिवार्य करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के शुभारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ अनुप भारतीय ने ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय का समाज कार्य विभाग का अपना एक नाम और पहचान है। उन्होंने प्रस्ताव रखा की उत्तर प्रदेश में एक राज्य स्तर पर समाज कार्य की परिषद बनाई जाए। जिससे समाज कार्य की शिक्षा और अभ्यास को सुव्यवस्थित किया जा सके।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

50 केंद्रों पर हुई लविवि परीक्षा

लखनऊ (एसएनबी)। एलएलबी परीक्षा और स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीए, बीबीए, बीकॉम पांचवे सेमेस्टर और बीकॉम (ऑनर्स) विषम सेमेस्टर 2022 की परीक्षाओं के दूसरे दिन 45,184 परीक्षार्थी शामिल हुए। लगभग 50 केंद्रों पर शुक्रवार को आयोजित हुई परीक्षा की प्रथम पाली मे 39420 और द्वितीय में 5764 छात्र उपस्थित रहे। करीब 4 दिनों के बाद शुक्रवार को कोई भी नकलची नहीं पकड़े गए।

लखनऊ विश्वविद्यालय मुख्य परिसर के अटल ब्लॉक में प्रथम पाली की परीक्षाएं खत्म होने के बाद पहले तल स्थित जेंट्स टॉयलेट में नकल सामग्री मिली। आशंका है कि छात्र इसे लेकर आए हों और सचल दल के डर से बाथरूम में फेंक दिया। लेकिन इस बारे में न तो सचल दल को भनक लगी और न ही विवि प्रशासन को खबर लगी। डिग्री कॉलेजों में बने परीक्षा केंद्रों की तो तलाशी के लिए 10 गाड़ियां उड़ाका दल के लिए लगाई गई है, लेकिन विश्वविद्यालय परिसर में हो रही परीक्षा में लापरवाही की जा रही है।

भूगोल विभाग में दूसरी पाली की परीक्षाओं के शुरू होने से पहले छात्रों की तलाशी जोर शोर से ली जा रही थी। छात्रों के मोबाइल फोन और बैग बाहर भी रखवाए जा रहे थे। मगर छात्राओं को मोबाइल के साथ प्रवेश दिया गया। इसका बडा कारण महिला निरीक्षकों का न होना था। क्योंकि गेट पर खडे पुरुष निरीक्षक छात्राओं की तलाशी लेने में असमर्थ दिखे। वहीं दूसरी तरफ 10 गाड़ियों से दिनभर घूमने के बाद भी उड़ाका दल खाली हाथ ही लौटे। बताया जाता है कि उड़ाका दल में शामिल कई शिक्षक सिर्फ नाम के लिए ड्यूटी कर रहे है। उनकी दिलचस्पी नकलची को पकड़ने में नहीं बल्कि कॉलेजों में अपने संबंध बनाने की रहती है।

उड़ाका दल में लगी हुई है 10 गाड़ियां

नहीं पकड़े गए एक भी नकलची

अब छात्र देख सकेंगे ओएमआर शीट : लविवि में स्नातक विषम सेमेस्टर 2022 के अंतर्गत बीए, बीकॉम (ऑनर्स), बीबीए, बीकॉम पांचवे सेमेस्टर और बीबीए की परीक्षाएं जारी है। ओएमआर शीट के जरिए परीक्षा दे रहे विद्यार्थी अब नंबर कम होने या फेल होने की शिकायत पर ओएमआर शीट देख सकेंगे। अभी तक यह प्रावधान सिर्फ उत्तर पुस्तिकाओं के लिए था।

लविवि के शिक्षकों ने किया योगाभ्यास

लखनऊः लविवि के भूगोल विभाग के सेमिनार हॉल में हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी और भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में योग और मानसिक स्वास्थ्य पर योग अभ्यास सत्र का आयोजन हुआ।

यहां अष्टांग योग एवं बार्सिलोना से ट्रपीज योग में पारंगत बंगलुरु की शशिप्रभा द्विवेदी ने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सर्वांगासन, शीर्षासन, चक्रासन आसन का अभ्यास कराया। साथ ही इनके विषय में जानकारी दी। सत्र में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, हैप्पी थिंकिंग लैब की निदेशक प्रो. मधुरिमा प्रधान, भूगोल विभाग की समन्यवक प्रो. रोली मिश्रा सहित अन्य शिक्षक शामिल हुए।

दो दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला शुरू

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग ने अपने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रोजेक्ट के अंतर्गत डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस पर दो दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि व्यावहारिक अर्थशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर प्रो. बीके निगम ने किया। इस मौके पर उन्होंने वर्तमान समय में हो रहे शोध व्यवस्थाओं एवं तकनीकों के मध्य अंतर बताया। अपने पिछले अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने न केवल शोध बल्कि उनके जीवन में भी छात्रों के विकास के लिए गांधीवादी विचारों पर जोर दिया और छात्रों को अर्थव्यवस्था को और अधिक उन्नत बनाने के लिए प्रेरित किया। सत्र में प्रोफेसर पूनम टंडन, डीन एकेडमिक्स और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर ने कहा कि प्रतिभागियों को कुशल शोध एवं इनके प्रकाशन की आवश्यकताओं के बारे में बताया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय के हॉस्टल में भूत की अफवाह

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

सक्रियता

- छात्रों की शिकायत पर प्रॉक्टर ने की जांच, मामला निकला फर्जी

अमृत विचारः लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावास में भूत निवास करता है, इस बात की शिकायत छात्रों ने प्रॉक्टर से की है। वहीं शिकायत मिलने के बाद प्रॉक्टर की ओर से हॉस्टल का जायजा लिया गया और जांच के लिए टीम भी भेजी, लेकिन मामला फर्जी पाया गया।

चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने बताया कि मामले की जांच कर ली गई, उन्होंने बताया कि शिकायती पत्र में सुभाष छात्रावास के छात्रों का कहना था कि रात में यहां अजीब-अजीब आवाजें सुनाई पड़ती है और कभी-कभी घुंघरू बजने की भी आवाज आती है। ऐसे में बहुत डर लगता है। शिकायत के बाद मामले की जांच की तो ऐसा कुछ नहीं पाया गया है। प्रॉक्टर ने कहा छात्रों से भी अपील की गई है वह किसी भी तरह की अफवाह में न पड़ें। जिससे की परिसर में कोई अव्यवस्था हो।

विश्वविद्यालय के लावण्या हॉस्टल में मनाई होली

लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के लावण्या हॉस्टल में शुक्रवार को होली का पर्व मनाया गया। इस दौरान ‘रंग बरसे’ गीत पर युवा जमकर थिरकते नजर आये। इस दौरान छात्राओं ने रंगबिरंगे नृत्य और हास्य कविता के साथ एक दूसरे को गुलाल लगाया और परीक्षा खत्म होने और होली की दोहरी खुशी आपस में शेयर की। इस मौके पर अधिठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन, संकायाध्यक्ष अभियांत्रिकी संकाय, प्रो. एके सिंह, प्रोवोस्ट डा अनुपमा श्रीवास्तव के साथ शिक्षकों ने शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।

TARUN MITRA PAGE 2, 12

योग गुरु ने सिखाये मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े योगासन

लखनऊ, 24 फरवरी (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी और भूगोल विभाग ने संयुक्त रूप से योग व मानसिक स्वास्थ्य पर एक योग अभ्यास सत्र का आयोजन किया। जिसमें बेंगलुरु की शशि प्रभा द्विवेदी जो अष्टांग योग व बार्सिलोना से ट्रापेज योग में पारंगत है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए योगासान का अभ्यास कर के दिखाया। जिसमें प्रमुख योगासन सर्वांगासन, शीर्षासन,चक्रासन आदि का अभ्यास भी कराया और इनके विषय में जानकारी भी दी। वहीं, शशि प्रभा ने अपनी योग यात्रा के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों को योग की भूमिका और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। सत्र में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, हैप्पी थिंकिंग लैब की निदेशक, प्रो. मधुरिमा प्रधान, भूगोल विभाग की समन्वयक प्रो. रोली मिश्रा, कॉउंसिलइंग एंड गाइडेंस सेल की डिप्टी निदेशक डॉ.वैशाली, भूगोल विभाग से डॉ.अरुण द्विवेदी, डॉ.अनूप सिंह, डॉ.रितिका प्रसाद और मयंक भारद्वाज ने अपनी भागीदारी दी।

शिक्षा का उद्देश्य मुक्ति प्रदान करना : प्रो. द्विवेदी

लखनऊ, 24 फरवरी (तरुणमित्र)। समाज कार्य विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यालय संकुल और प्रशिक्षित व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता की भूमिका विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण रहे। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. संजय भट्ट और उद्घाटन वक्ता प्रो. राम प्रकाश द्विवेदी ने अपनी बात रखी। प्रो. अरविंद अवस्थी, अधिष्ठाता कला संकाय और कार्यवाहक कुलपति लविवि ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरुआत सभी अतिथियों द्वारा दीपक जलाकर की गई इसके बाद विश्वविद्यालय का कुलगीत गाया गया। प्रो.अनूप कुमार भारतीय, विभागाध्यक्ष, समाज कार्य विभाग लविवि ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि समाज कार्य विभाग का अपना एक नाम और पहचान है। मुख्य अतिथि के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि मुख्य अतिथि बहुत ही सहृदय और डाउन टू अर्थ व्यक्ति है। उन्होंने बताया की मंत्री बेहद ही सामान्य ढंग से आम आदमी की तरह लोगों के बीच आते। उन्होंने नई शिक्षा नीति-2020 में समाज कार्यकताओं की भूमिका के बारे में बताया। इसके बाद सभी अतिथियों ने सार संक्षेप पुस्तिका का विमोचन किया। प्रो.आरपी द्विवेदी, अध्यक्ष नापसवी, नई दिल्ली ने अपने उद्बोधन में कहा कि बस भारत में समाज कार्य शिक्षा के चार प्रमुख संस्थान टाटा समाज विज्ञान संस्थान, मुंबई, समाज कार्य विभाग, आगरा विश्वविद्यालय समाज कार्य विभाग, लविवि और समाज कार्य विभाग, काशी विद्यापीठ के आचार्य इस सम्मेलन के लिए आये हुए है ये बहुत अच्छी बात है।

छात्रों के विकास को ले गांधीवादी विचारों पर दिया जोर

❑ अर्थशास्त्र विभाग ने किया दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ, 24 फरवरी (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग ने अपने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रोजेक्ट के तहत जिसके प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर प्रो.अनूप कुमार सिंह है। उन्होंने एसपीएसएस और आंकड़ों के परिचय एवं डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस पर दो दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजन ओएनजीसी सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज में शुक्रवार को किया।

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि व्यावहारिक अर्थशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर व गांधीवादी दार्शनिक प्रो.बीके निगम रहे। उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों को अतीत और वर्तमान समय में हो रहे शोध व्यवस्थाओं एवं तकनीकों के मध्य अंतर बताया। वहीं,अपने पिछले अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने न केवल शोध बल्कि उनके जीवन में भी छात्रों के विकास के लिए गांधीवादी विचारों पर जोर दिया तथा छात्रों को अर्थव्यवस्था को और अधिक उन्नत बनाने के लिए प्रेरित किया। इस सत्र में प्रो.पूनम टंडन, डीन एकेडमिक्स और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर ने भी भाग लिया। उन्होंने समस्त प्रतिभागियों को कुशल शोध एवं इनके प्रकाशन की आवश्यकताओं के बारे में बताया। उन्होंने स्कोपस में अनुक्रमित प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध पत्रों को प्रकाशित करने का सुझाव दिया जिससे शोध का सही अर्थों में लाभ मिल सके। लविवि के विभिन्न विभागों और कुछ अन्य विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के कुल 28 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रो. आर.के. माहेश्वरी डीन,वाणिज्य संकाय और प्रो.रचना मुजू, व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्ष,प्रो. मधुरिमा लाल, संस्कृतिकी की निदेशिका,प्रो. विमल जायसवाल एवं अन्य शिक्षकों ने भी भाग लिया। कार्यशाला के पहले दिन को तीन सत्रों में बांटा गया जिसमें व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. नागेंद्र कु. मौर्या जो कार्यशाला के समन्वयक भी हैं। उन्होंने डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस की अवधारणा और सैद्धांतिक आधार के बारे में बताया। तीसरे और चौथे तकनीकी सत्र में सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. मसूद सिद्दीकी ने डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस के अनुप्रयोग पर अपनी विशेषज्ञता के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान किया गया बल्कि प्रतिभागियों में समग्र शोध कौशल के विकास को लेकर आंकड़ों पर तकनीक का व्यावहारिक अनुप्रयोग भी प्रदान किया।

लविवि में शिक्षकों के लिए हुई एफडीपी

लखनऊ। लविवि के आईएमएस में टेक्नोलॉजी इनेबल्ड लर्निंग एंड रिसर्च पर शिक्षकों के लिए एफडीपी का आयोजन शुक्रवार को हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में प्रबंधन विज्ञान संस्थान (आईएमएस) में प्रौद्योगिकी सक्षम शिक्षण और अनुसंधान पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया गया और आईएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने प्रो. सुबोध केसरवानी का स्वागत किया। प्रो. सुबोध केसरवानी जो ईआरपी, सूचना प्रणाली और वेब सक्षम प्रणालियों में लिंकिज के विशेषज्ञ हैं। प्रो. केसरवानी इग्नू के मुख्य सतर्कता अधिकारी हैं। वह वर्तमान में विभिन्न उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं और उन्होंने बड़े पैमाने पर ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी), टीम बिल्डिंग, ई-कॉमर्स, प्रौद्योगिकी सक्षम शिक्षा, ई-संसाधन, अनुसंधान में प्रौद्योगिकी के उपयोग, ब्लॉक श्रृंखला, इंटरनेट ऑफ थिंग, एंटरप्राइज इंफॉर्मेशन सिस्टम, फ्री एंड ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर आदि पर एक प्रशिक्षक के रूप में व्याख्यान दिया। प्रो. सुबोध केसरवानी द्वारा लिए गए सत्र के लिए डॉ. अमिताभ राय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

VoL PAGE 3

समाज कल्याण विभाग लेगा विशेषज्ञों की मदद

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने और शिक्षा के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर चर्चा शुक्रवार को हुई। इस मौके पर समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि समाज कल्याण विभाग समाज के अंतिम पायदान पर खड़े नागरिकों तक समाज कल्याण विभाग योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य करता है। योजनाओं का लाभ सभी को बिना भेदभाव के मिल सके। इसके लिए आवश्यक है कि सामाजिक कार्य के क्षेत्र में योगदान देने वाले विशेषज्ञों को मदद ली जाये। लखनऊ विश्वविद्यालय और टाटा इंस्टीट्यूट्स ऑफ सोशल साइंस जैसे संस्थानों के विशेषज्ञ जमीनी सत्यता तलाशने, शोधपत्र तैयार करने और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में समाज कल्याण विभाग की मदद करेंगे। इस मौके पर समाज कल्याण मंत्री ने कहा प्रशिक्षित समाज सेवक एक प्रोजेक्ट के रूप में समाज की बुनियादी समस्याओं की पहचान कर उचित समाधान सोचकर उन्हें क्रियान्वित कर सकता है।

उद्यमिता विकास में विशेषज्ञ करेंगे मदद : शिक्षा के साथ-साथ प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना में उद्यमिता विकास के कार्यो में समाज कार्य संकाय का सहयोग लिया जाएगा। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सर्वोदय विद्यालयों में शिक्षा को और कैसे बेहतर किया जाये, इसमें भी समाज कार्य संकाय का योगदान लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि विभाग इस बात पर विचार कर रहा है कि विभागीय नौकरियों में समाज कार्य की डिग्री अनिवार्य की जाये।